ब्राजील और क्यूबा के दौरे पर रवाना होने से पहले प्रधान मंत्री का वक्तव्य

दिनांक 10 सितम्बर, 2006
नई दिल्ली

मैं ब्राजील के राष्ट्रपति श्री लुईज़ इनासियो लूला दा सिल्वा के आमंत्रण पर ब्रेसिलिया जा रहा हूं। 12 सितम्बर को ब्राजील के द्विपक्षीय दौरे के बाद भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका शिखर बैठक होगी जिसमें दक्षिण अफ्रिका के राष्ट्रपति श्री मुबेकी भी भाग लेंगे।

मैं आशा करता हूं कि ब्राजील के मेरे दौरे से इस महान देश जिसे हम लैटिन अमेरिका के अपने प्रमुख भागीदारों में से एक मानते हैं, के साथ हमारे द्विपक्षीय रिश्ते और अधिक मजबूत होंगे। मुझे उम्मीद है कि हमारी अनेक मुद्दों पर चर्चा होगी जिनमें राजनीतिक और आर्थिक विचार-विमर्श तथा रक्षा, कृषि और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग शामिल हैं। ब्राजील और भारत पहले से ही अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उत्कृष्ट सहयोग करते आ रहे हैं।

भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण-दक्षिण सहयोग के एक शानदार उदाहरण के रूप में उभर चुका है। पहली भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका शिखर बैठक से पिछले तीन वर्षों जब इसकी पहली बार स्थापना हुई थी, के दौरान हुई प्रगति की समीक्षा करने का उपयोगी अवसर मिलेगा। हमारी चर्चाओं में ऊर्जा सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद, सतत और समान विकास जैसे अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को प्रमुख रूप से शामिल किए जाने की उम्मीद है। भारत-ब्राजील-दक्षिण अफ्रीका व्यापार शिखर बैठक से हमारे संबंधों में एक नया आयाम जुड़ेगा।

क्यूबा के साथ हमारे घनिष्ठ, मैत्री और ऐतिहासिक संबंध रहे हैं। मैं हवाना में होने जा रहे गुटनिरपेक्ष आंदोलन के 14वें शिखर सम्मेलन में भाग लेने की प्रतीक्षा कर रहा हूं। इस महान आंदोलन के संस्थापक सदस्य के रूप में भारत गुटनिरपेक्ष आंदोलन को पुनर्जीवित करने के लिए अपनी ओर से प्रयास करेगा ताकि इसके सदस्य बदले हुए विश्व परिदृश्य में अपने साझे हितों पर ध्यान दे सकें। गुट निरपेक्ष आंदोलन के सदस्यों के बीच आपसी सहयोग और एकता बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि हम कई साझी चुनौतियों से जूझ रहे हैं जिनमें एक अधिक सहयोगपूर्ण विश्व का निर्माण करना, आतंकवाद की समस्या से निपटना और भुखमरी, गरीबी तथा बीमारियों को दूर करना शामिल है। हम गुट निरपेक्ष आंदोलन को शांति, निरस्त्रीकरण तथा सम्पूर्ण मानवजाति की प्रगति एवं खुशहाली जैसे अंतराष्ट्रीय हित से जुड़े कार्यों के लिए पुनः समर्पित करेंगे।

मैं हवाना में अपने प्रवास के दौरान, विकासशील देशों के कई नेताओं से उपयोगी बातचीत की प्रतीक्षा में हूं।